



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

ग्रन्थालय

EXTRAORDINARY

भाग II—पांच ३—उपलब्ध (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 472]

नई विलासी, दुधवार, नवम्बर 19, 1975/कार्तिक 28, 1897

No. 472]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 19, 1975/KARTIKA 28, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्थालय संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

## ORDERS

New Delhi, the 19th November 1975

**S.O. 665(E)/18E/IDRA/75.**—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 508(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Sen Raleigh Industries Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

## THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking
(1)	(2)
Section 224	The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 225	The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[No. F. 2/21/75-CUC]

उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय  
(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

भारत

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1975

**का० प्रा० 665(प्र)/18 उ०/उ० वि० वि० अ०/75.**—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियोग) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अर्थात् जारी किए गए उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय के अधिसूचित आदेश सं० का० आ० 508 (प्र), तारीख 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्री एम० के० माडवेल को मैसर्स संन रेलेह इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, कलकत्ता (जिस आदेश में इसके पश्चात् प्रौद्योगिक उपकरण कहा गया है) के नाम संतात प्रौद्योगिक उपकरण का प्रबन्ध उसमें विनियोग अवधिरां के लिए प्रहृण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 (ड) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गवितरां का प्रयोग करते हुए इनसे उपकरण अनुसूची में उन छूटों, निर्बन्धनों और सीमाओं को विनियोगित करता है जिनमें अब तक रहते हुए कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) प्रौद्योगिक उपकरण को उस रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18 कक के अर्थात् उक्त अधिसूचित आदेश के जारी करने से पूर्व लागू होता था।

मनुसूची

कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध

वे छूटें, निर्बन्धन और सीमाएं जिनके अधीन रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबन्ध उपकरण को लागू होंगे

(1)

(2)

धारा 224

इस धारा की उपधारा (7) के उपबन्ध इस प्रौद्योगिक उपकरण को लागू नहीं होंगे।

धारा 225

इस धारा की उपधारा के (1) उपबन्ध इस प्रौद्योगिक उपकरण को लागू नहीं होंगे।

[सं० का० 2/21/75-सी य० सी०]

**S.O. 666(E)/18E/IDRA/75.**—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 509(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Ancillary Industries (Lugs) Private Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

## THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking
(1)	(2)
Section 224	The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 225	The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[No. F. 2/27/75-CUC]

का० आ० ६६६(प्र) / १८ उ०/उ वि० वि० प्र०/७५.—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 ('1951 का 65) की धारा १८कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन जारी किए गए उद्योग और नागरिक पृति मंत्रालय के अधिसूचित प्रावेश स० आ० ५०९ (प्र), तारीख १२ सितम्बर, १९७५ द्वारा श्री एम० के० माझेल को मैसर्स एन्सीलरी इण्डस्ट्रीज (लग्स) प्रा० लिमिटेड, कलकत्ता (जिसे इसके पश्चात् श्रीयोगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से जात श्रीयोगिक उपक्रम का प्रबन्ध उसमें विनियिष्ट अवधियों के लिए ग्रहण करने के लिए प्राप्तिक्रत किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १८(इ) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्ति दों का प्रयोग करते हुए इससे उपायद्वारा अनुसूची में उन छूटों, निवृत्थानों श्रीर सीमाओं को विनियिष्ट करती है जिनके अधीन रक्ते हुए कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) श्रीयोगिक उपक्रम को उस रीति से लागू द्रोता रहेगा जैसे वह धारा १८कक के अधीन उक्त अधिसूचित प्रावेश के जारी करने से पूर्व लागू द्रोता था ।

## अनुसूची

कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध वे छूटें, निवृत्थान श्रीर सीमाएं जिनके अधीन रक्ते हुए स्तम्भ (1)में वर्णित उपबन्ध उपक्रम को लागू होंगे

(1)	(2)
धारा २२४	इस धारा की उपधारा (7)के उपबन्ध इस श्रीयोगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।
धारा २२५	इस धारा की उपधारा (1)के उपबन्ध इस श्रीयोगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।

[मं० फा० २/२७/७५-सी० य०सी०]

S.O. 667(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 510(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to

take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Sen and Pandit Industries Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

#### THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking
(1)	(2)
Section 224	The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 225	The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[No. F. 2/28/75-CUC]

का० आ० 667(अ) / 18 उ० वि० वि० आ० / 75.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन जारी किए गए उद्योग और नागरिक पृति मंत्रालय के अधिसूचित आदेश सं० का० आ० 510 (अ), तारीख 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्री एम० के० माडबेल को मैसर्सेन एड पंडित राण्ड-स्ट्रीज लि०, कलकत्ता (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात् श्रीद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से जात श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उसमें विनिष्टिष्ठ अवधियों के लिए ग्रहण करने के लिए प्रधित किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18(अ) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अवधियों का प्रयोग करते हुए इससे उपावद्वय अनुसूची में उन छूटों, निर्वन्धनों और सीमाओं को विनिष्टिष्ठ करती है जिनके अधीन रहते हुए कमरानी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) श्रीद्योगिक उपक्रम को उस रीत से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18 कक के अधीन उक्त अधिसूचित आदेश के जारी करने से पूर्व लागू होता था।

#### अनुसूची

कमरानी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध

वे छूटें, निर्वन्धन और सीमाएं जिनके अधीन रहते हुए स्तरम् (1) में वर्णित उपबन्ध उपक्रम को लागू होंगे

(1)

(2)

धारा 224

इस धारा की उपधारा (7) के उपबन्ध इस श्रीद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।

धारा 225

इस धारा की उपधारा (1) के उपबन्ध इस श्रीद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।

[सं० का० 2/28/75-सी० य० सी०]

**S.O. 668(E)/18E/IDRA/75.**—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 511(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

#### THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking
(1)	(2)
Section 224	The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 225	The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[No. F. 2/29/75-CUC]

**का० प्रा० 668 (ए) / 18 उ०/उ०विंचि०ग्र०/75.**—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक्ष की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन जारी किए गए उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के अधिसूचित आदेश सं० का० प्रा० 511 (ग्र), तारीख 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्री एम० के० माथेल को मैसर्स एन्सीलरी इंडस्ट्रीज (फोर्जिंग्स) प्रा० लि०, कलकत्ता (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात श्रीद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से शात श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उसमें विनिर्दिष्ट अवधियों के लिए प्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18(उ) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकृतों का प्रयोग करने हुए इससे उपाबद्ध अनुसूची में उन छूटों, निर्बंधनों और सीमाओं को विनिर्दिष्ट करती है जिनके अधीन रहते हुए कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) श्रीद्योगिक उपक्रम को उस रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18 कक्ष के अधीन उक्त अधिसूचित आदेश के जारी करने से पूर्व लागू होता था ।

#### अनुसूची

कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंध	वे छूटें, निर्बंधन और सीमाएं, जिनके अधीन रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबंध उपक्रम को लागू होंगे
(1)	(2)
धारा 224	इस धारा की उपधारा 7 के उपबंध इस श्रीद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।

( 1 )

(2)

धारा 225

इस धारा की उपधारा 1 के उपर्युक्त इस श्रीदूषोगिक उपक्रम को लाग नहीं होंगे।

[ਸੰ. ਫਾ. 2/29/75—ਸੀ.ਯੋ.ਸੀ.]

**S.O. 669(E)/18E/IDRA/75.**—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 512(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Ancillary Industries (Crank) Private Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

## THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking
(1)	(2)
Section 224	The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 225	The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[No. F. 2/30/75-CUO]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

कांगड़ा ६६९ (प्र) / १८३०/उ० विंवि०प्र०/७५.—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, १९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८ कक की उपधारा (१) के खंड (क) के अधीन जारी किए गए उद्योग और नागरिक पूर्ति मन्त्रालय के अधिसूचित आदेश सं० का० प्रा० ५१२ (प्र), तारीख १२ सिसम्बर, १९७५ द्वारा श्री एम० के० माडवेल को मैसर्स एन्सीलरी इंडस्ट्रीज (फ्रेन्क्स) प्राइ० लिमि०, कलकत्ता (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात श्रीद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से ज्ञात श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उसमें विनिर्विष्ट अवधियों के लिए प्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

अतः, श्रब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 (ड) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे उपावद्ध अनुसूची में उन छूटों, निर्बंधनों और सीमाओं को विनिर्दिष्ट करती है जिनके अधीन रहते हुए कफंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) औद्योगिक उपक्रम को उस रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18क के अधीन उक्त अधिसूचित आवेदन के आरे करने से पूर्व लागू होता था।

ग्रन्ति सूची

कल्पनी अधिनियम, 1956 के उपबंध

वे छुटें, निर्बन्धन और सीमाएं जिनके अधीन  
रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबंध उपक्रम  
को लागू होंगे

(1)

(2)

धारा 224

इस धारा की उपधारा 7 के उपबंध इस श्रीद्योगिक  
उपक्रम को लागू नहीं होंगे।

धारा 225

इस धारा की उपधारा 1 के उपबंध इस श्रीद्योगिक  
उपक्रम को लागू नहीं होंगे।

[सं० फा० 2/30/75-सी० य० सी०]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।

